IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, January 2023
Impact Factor: 7.301

उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं के पारिवारिक वातावरण और सामाजिक बुद्धिमत्ता के बीच संबंधों का अध्ययन

प्रियंका पाण्डेय
प्रोजेक्ट एसोसिएट–1, योग
सी. एस. आई. आर., टी. के. डी. एल., नई दिल्ली

शोध सारांश

यह माता-पिता की जिम्मेदारी होती है, कि अपने बच्चों को पर्याप्त समय दे और समय के साथ ही परिवारिश करने के तरीकों में बदलाव करें,ताकि संस्कारों के साथ बच्चों का पालन-पोषण हो सके। इस संबंध में माण्टेसरी का कथन महत्वपूर्ण है,जिसमें उन्होने सुझाव दिया था कि घर के वातावरण की तरह ही विद्यालयों का वातावरण होने चाहिये। इसका अर्थ है कि जिस प्रकार से प्रेमपूर्वक बच्चों की घर में परवारिश होती है, उसी प्रकार से विद्यालयों में विद्यार्थियों की प्रेमपूर्वक ही शिक्षा-दीक्षा होनी चाहिये। यही माहौल बच्चों के शैक्षणिक विकास के साथ ही व्यक्तित्व के निर्माण में सहायक होता है। प्रस्तुत शोध अध्ययन के दौरान उच्चतर माध्यमिक स्तर के छात्र-छात्राओं के पारिवारिक वातावरण और सामाजिक बुद्धिमत्ता के बीच संबंधों का अध्ययन किया गया है। अध्ययन सर्वेक्षण विवरणात्मक शोध प्रविधि से पूरा किया गया है। अध्ययन के दौरान उच्च, मध्यम और निम्न पारिवारिक वातावरण के विद्यार्थियों के बीच में सामाजिक बुद्धिमत्ता के बीच में सार्थक अंतर पाया गया है। इसका अर्थ है कि पारिवारिक वातावरण का प्रत्यक्ष प्रभाव विद्यार्थियों की सामाजिक बुद्धिमत्ता पर पड़ता है।

बीज शब्द- पारवारिक वातावरण, सामाजिक बुद्धिमत्ता, प्रत्यक्ष प्रभाव, प्रेमपूर्वक, शिक्षा-दीक्षा, संस्कार आदि।

सन्दर्भ ग्रंथ सूची

[1]. एंथोनी, ओ. ओवेटा (2014), होम इनवायरमेण्टल फैक्टस इफेक्टिंग स्टूडेन्ट्स, एकेडेमिक परफार्मेन्स इन एबिया स्टेट, नाइजीरिया, रूरल इनवायरमेण्ट, एजूकेशन पर्सनाल्टी-जेलगावा, 7-8-02-2014, पृ0 141-179।

IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
Volume 3, Issue 1, January 2023
Impact Factor: 7.301

[2]. कुमार ए. (2016). इम्पैक्ट ऑफ फैमिली क्लाइमेट, एकेडमिक मोटिवेशन एण्ड एडजस्टमेन्ट ऑन एकैडमिक अचीवमेन्ट ऑफ एडोलोसेन्टस, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, अलीगढ़।

[3]. क्लैसेल्वन, एस० एण्ड महेश्वरी, के० (2016), "ए स्टडी ऑन इमोशनल मैच्योरिटी अमंग द पोस्ट ग्रेजूएट स्टूडेन्टस",जर्नल ऑफ हयूमनिटिज एण्ड साइन्स, आइ.अ".एस.आर वाल्यूम 21, पृ 32-34।

[4]. चोथानी, के० एण्ड वलन्द, पी०वी० (2014), "इमोशलन मैच्योरिटी अमंग नार्मल एण्ड स्पेशल स्कूल टीचर", क्रिएटिव स्पेस,इंटरनैशनल जर्नल, वॉल्यूम 2, इषु 3-4, पृ 20-28।

[5]. जाफरी, एस० (2011), "इम्पैक्ट ऑफ फैमिली क्लाइमेट, मेन्टल हैल्थ, स्टडी हैबिट्स एण्ड सेल्फ कॉन्फिडेन्स ऑन दएकेडमिक अचीवमेन्ट ऑफ सीनियर सेकेन्ड्री स्टूडेन्ट्स", बुन्देलखंड यूनिवर्सिटी, झांसी।

[6]. शाह बी0 (1990), फैमिली क्लाइमेट स्केल, नैशनल साइकोलॅजिकल कार्पोरेशन, आगरा।

[7]. सिंह वाई. एण्ड भार्गव एम0 (1990), इमोशनल मैच्योरिटी स्केल, नेशनल साइकोलॉजिकल कार्पोरेशन, आगरा।

[8]. भूषण एल. (2013). ए कॅम्पेरेटिव स्टडी ऑफ फैमिली क्लाइमेट, स्कूल एडमस्टमेन्ट, एटीट्यूड टूर्वा ड्स एजूकेशन एण्डएकेडमिक अचीवमेन्ट ऑफ जनरल एस.सी. एण्ड ओ.बी.सी. स्टूडेन्ट्स इन हरियाणा, महर्षि दयानन्द यूनिवर्सिटी, रोहतक।